

1. ट्रायल बैलेंस तैयार करने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
- घोखाधड़ी का पता लगाना
  - लाभप्रदता जानना
  - खाता-बही की गणनात्मक शुद्धता की जांच
  - नकद प्रवाह विवरण तैयार करना (C)

**व्याख्या:** ट्रायल बैलेंस यह जांचने में मदद करता है कि कुल डेबिट और क्रेडिट बराबर हैं या नहीं।

2. निम्नलिखित में से किसका ट्रायल बैलेंस में हमेशा डेबिट बैलेंस होता है?
- पूंजी
  - लेनदार
  - खरीद
  - बिक्री (C)

**व्याख्या:** खरीद एक व्यय है और इसका हमेशा डेबिट बैलेंस होता है।

3. जब डेबिट और क्रेडिट दोनों प्रविष्टियाँ छूट जाती हैं, तो इसे क्या कहा जाता है?
- प्रविष्टि की त्रुटि
  - चूक की त्रुटि
  - सिद्धांत की त्रुटि
  - पूरक त्रुटि (B)

**व्याख्या:** जब कोई लेन-देन पूरी तरह से रिकॉर्ड नहीं होता है, तो वह पूर्ण चूक की त्रुटि कहलाती है।

4. निम्न में से कौन-सी त्रुटि ट्रायल बैलेंस के मिलान को प्रभावित नहीं करती है?
- एक ही पक्ष में गलत राशि पोस्ट करना
  - जर्नल प्रविष्टि का एक पक्ष छोड़ना
  - गलत खाते में बराबर राशि दर्ज करना
  - दोनों पक्षों में एक ही राशि दर्ज करना (C)

**व्याख्या:** यदि राशि सही हो और केवल खाता गलत हो, तो डेबिट और क्रेडिट बराबर रहेंगे।

5. सस्पेंस अकाउंट का उपयोग किसलिए किया जाता है?
- ब्याज आय दर्ज करने के लिए
  - अधिक दर्ज प्रविष्टियों को रखने के लिए
  - ट्रायल बैलेंस के अंतर को अस्थायी रूप से दर्ज करने के लिए
  - मूल्यहास दिखाने के लिए (C)

**व्याख्या:** जब तक त्रुटियाँ पहचानी नहीं जातीं, सस्पेंस अकाउंट उस अंतर को अस्थायी रूप से रिकॉर्ड करता है।

6. फर्नीचर की खरीद को खरीद खाते में पोस्ट करना किस प्रकार की त्रुटि है?
- चूक की त्रुटि
  - प्रविष्टि की त्रुटि
  - सिद्धांत की त्रुटि
  - पूरक त्रुटि (C)

**व्याख्या:** जब पूंजीगत खर्च को राजस्व खर्च के रूप में दर्ज किया जाता है, तो वह सिद्धांत की त्रुटि होती है।

7. ट्रायल बैलेंस तैयार करने के लिए सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली विधि कौन-सी है?
- योग विधि
  - योग-सह-बैलेंस विधि
  - बैलेंस विधि
  - खाता-बही विधि (C)

**व्याख्या:** बैलेंस विधि को सबसे अधिक उपयोग में लाया जाता है क्योंकि यह प्रत्येक खाते का शुद्ध प्रभाव दिखाती है।

8. जब दो त्रुटियाँ एक-दूसरे के प्रभाव को समाप्त कर देती हैं, तो उसे क्या कहते हैं?
- सिद्धांत की त्रुटि
  - चूक की त्रुटि
  - प्रविष्टि की त्रुटि
  - पूरक त्रुटि (D)

**व्याख्या:** जब दो या अधिक त्रुटियाँ एक-दूसरे को संतुलित कर देती हैं, तो उसे पूरक त्रुटियाँ कहते हैं।

9. यदि ट्रायल बैलेंस नहीं मिलता है, तो त्रुटियाँ खोजने का पहला कदम क्या है?
- समापन स्टॉक की जांच
  - ट्रायल बैलेंस के कॉलम का पुनः योग करना
  - लाभ-हानि खाते की तुलना
  - भौतिक स्टॉक की जांच (B)

**व्याख्या:** सबसे पहले ट्रायल बैलेंस के डेबिट और क्रेडिट कॉलम का पुनः योग करना चाहिए।

10. निम्न में से किस त्रुटि को ठीक करने के लिए सस्पेंस अकाउंट की आवश्यकता होती है?
- पूर्ण चूक
  - द्विपक्षीय त्रुटियाँ
  - केवल एक खाते में गलत राशि दर्ज करना
  - सिद्धांत की त्रुटि (C)

**व्याख्या:** एक-पक्षीय त्रुटियाँ केवल एक खाते को प्रभावित करती हैं और अस्थायी सुधार के लिए सस्पेंस अकाउंट की आवश्यकता होती है।